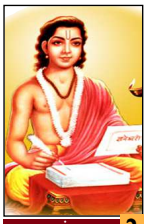

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 05 | अंकः 7 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, मंगलवार 7 जुलाई, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक हुई आयोजित

समिति के सदस्य शेरसिंह कुमावत ने नगरपरिषद चौमूं की कार्यशैली पर उठाए सवाल

जयपुर (संस्कार सृजन)

जिला कलेक्टर सभागार में अतिरिक्त जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में गौ रक्षक दल के अध्यक्ष और समिति के सदस्य शेरसिंह कुमावत ने बताया कि चौमूं रेंज के हाड़ोता, सामोद व हस्तेडा स्थित वनविभाग रेस्क्यू सेन्टर पर घायल अवस्था में रेस्क्यू कर लाए गए वन्यजीवों के लिए समुचित इलाज व चारे-पानी की उपलब्धता नहीं होना और श्वानो से सुरक्षा हेतु पुख्ता इंतजामों का अभाव, कार्यरत कार्मिकों के द्वारा अनदेखी करना, वन्य-जीवों की हत्या की मौन स्वीकृती जैसे हालात बना रखे हैं ।वहीं जयपुर ग्रामीण क्षेत्र से स्टेट व नेशनल हाईवे पर और चौमूं के शहरी क्षेत्र में निराश्रित गौवंश

के विचरण के कारण विगत कुछ दिनों में सैकडों दर्दनाक सड़क हादसे हुए । पशु विचरण से होने वाले हादसों में कमी लाने के लिए टोल प्रशासन व संबंधित निकायों द्वारा गंभीरता से नहीं लेने और इन्हें गौशालाओं में विस्थापित नहीं करने पर नाराजगी जताई व शीघ्र कार्यवाही की मांग की। जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के सदस्य मनीष सक्सेना ने बताया कि श्वानों के लिए सुप्रीम कोर्ट के द्वारा जारी प्रपत्र के अनुसार नगर निगम को फीडिंग जोन स्थापित किया जाना चाहिए और निगम द्वारा संचालित ए.बी.सी. प्रोग्राम ए. डब्लयू. बी. आई. से रजिस्टर्ड है या नहीं यदि हां तो रजिस्ट्रेशन की प्रति उपलब्ध कराए जाने की मांग की है । ए.बी.सी. प्रोग्राम के प्रभावी क्रियान्वयन से आवारा श्वानो की संख्या में कमी आएगी जिससे रेबीज पर नियंत्रण पाया जा सकेगा । सदस्यों की शिकायत व सुझावों पर संज्ञान लेते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने संबंधित विभागों को सख्त कार्यवाही हेतु निर्देश दिए । इस दौरान पशुपालन विभाग के संयुक्तनिदेशक डॉ.हनुमान सहाय मीणा, नगर निगम उपायुक्त अनिता मित्तल, पुलिस प्रशासन, वन विभाग के अधिकारियों सहित समिति के सदस्य नम्रता सक्सेना, लोकेश डेनवाल आदि उपस्थित रहे।

दीपक यादव के उपनिदेशक पद पर सिलेक्शन होने पर समाज बंधुओं ने किया सम्मान

चौमूं (संस्कार सृजन) राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की डिप्टी डायरेक्टर (उपनिदेशक) परीक्षा में चौमूं निवासी दीपक यादव पुत्र मथुरा प्रसाद यादव का ऑल राजस्थान में फोर्थ रैंक पर सिलेक्शन होने पर समाज बंधुओं द्वारा सम्मान किया गया।

यादव समाज के जयपुर जिला मीडिया प्रभारी और वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव ने इस सफलता पर दीपक यादव को माला, साफा और मिठाई खिलाकर बधाई और शुभकामनाएं दी । साथ ही पिता मथुरा प्रसाद यादव और माता मंजू यादव का भी माला पहनाकर सम्मान किया । वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव ने बताया कि समाज की अन्य प्रतिभाओं को भी दीपक से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे समाज उत्तरोत्तर वृद्धि करता रहे । वहीं दीपक यादव ने बताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है । अगर आप लक्ष्य बनाकर लगातार मेहनत करते हैं तो आपको एक दिन सफलता जरूर मिलती है । मेरी सफलता का श्रेय माता-पिता और परिवारजन को है । सम्मान समारोह के दौरान दीपक की पत्नी प्रियंका यादव और छोटा भाई बसंत यादव भी मौजूद रहा ।

माली समाज ने आमसभा में समाज विकास के प्रस्तावों पर लिए कई निर्णय

चौमूं (संस्कार सृजन) माली समाज विकास समिति चौमूं की आम सभा गुरुवार को शहर के रींगस रोड स्थित सैनी समाज सभा भवन में समिति अध्यक्ष हीरालाल सैनी पांच्या की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समाजबंधुओं ने भाग लेकर विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

समिति महामंत्री मदनलाल मालेरिया व कोषाध्यक्ष कुमार गौरव एडवोकेट ने वर्ष 2026 में आयोजित हुए 19वें सामूहिक विवाह सम्मेलन के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिस पर सदस्यों ने चर्चा कर अनुमोदन किया। इसके साथ ही गत वर्ष की ऑडिट रिपोर्ट, समाज के लिए भूमि आवंटन पत्रावली की प्रगति, भवन निर्माण समिति द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र, लेखा जांच समिति की रिपोर्ट, आयकर रिटर्न, सदस्यता शुल्क तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना सहित कई प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान समाज के विकास एवं संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कई सुझाव भी सामने आए, जिन पर सदस्यों ने अपनी सहमति व्यक्त की। साथ ही आवश्यक प्रस्तावों पर

भी विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गए। समिति अध्यक्ष हीरालाल सैनी ने आमसभा में समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

इस मौके पर समिति उपाध्यक्ष कैलाश चंद बैनाडिया, पूर्व अध्यक्ष मदनलाल सतरावला, निवर्तमान सभापति विष्णु कुमार सैनी, पूर्व अध्यक्ष दिनेश तिगरिया, राधेश्याम तंवर, घीसालाल तंवर, गणेश बेनाडिया, प्रहलाद सहाय अधोप्या, जयनारायण चंदेल, सायरमल सैनी, भंवरलाल पापटवाण,प्रभाती लाल सैनी, नन्छू लाल बिसनालिया, रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिया, सुरेश तंवर सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु मौजूद रहे।

श्री मां वैष्णो देवी मंदिर का चतुर्थ वार्षिक पाटोत्सव हुआ संपन्न

जयपुर (संस्कार सृजन) शहर के विकास नगर वार्ड नंबर 43, सामोद बाईपास पुलिया के पास स्थित श्री मां वैष्णो देवी माता मंदिर में श्री वैष्णो देवी मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय चतुर्थ वार्षिक पाटोत्सव एवं हनुमत कथा का समापन हवन व भंडारे कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। श्री वैष्णो देवी माता मंदिर के पुजारी कैलाश भगत ने बताया कि मंदिर के चतुर्थ वार्षिक पाटोत्सव के तहत रात्रि में विशाल भजन संध्या का भी आयोजन किया गया । जिसमें गायक कलाकारों के द्वारा सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई । रविवार सुबह मंदिर परिसर में विद्वान पंडितों के द्वारा हवन करवाया गया ।जिसमें यजमानों ने आहुतियां दी और सुख समृद्धि की कामना की । दोपहर सवा बजे से भंडारा प्रसादी का

भी आयोजन किया गया । जिसमें श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की । कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित चंद्र प्रकाश शास्त्री, परशुराम पुरी उदयपुरिया मठ के महाराज भगवानपुरी, सर्व समाज जाग्रति संघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा, जिला अध्यक्ष आचार्य पंडित रामस्वरूप शर्मा, रीडर ओम प्रकाश शर्मा, समाजसेवी श्रवण कुमावत, राम बिहारी शर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, एसबी स्वीट्स के बाबूलाल बागड़ा, श्यामलाल तंवर, शंकर तंवर, शिम्भू मिस्त्री,मोहन तंवर, समिति अध्यक्ष गोपाल सिंह नाथावत का माला और दुपट्टा पहनाकर

सम्मान किया ।श्रीराम नवयुवक सुंदरकांड मंडल चौमूं की ओर से मंडल अध्यक्ष रामकिशोर कुमावत, मंत्री प्रदीप शर्मा, कृष्ण कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मालीराम जांगिड़, जीतू झालानी, महेंद्र खटोड़ आदि ने संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ किए। इस मौके पर श्रद्धालुओं को सीताराम राधेश्याम नाम का सस्वर जाप करवाया गया । मंडल के व्यवस्थापक ओमप्रकाश माधाणी, संरक्षक राधेश्याम जांगिड़ ने राम दरबार की भव्य झांकी सजाई । इस दौरान शिवकुमार माहेश्वरी, बंशीधर जांगिड़, रामावतार स्वामी, पवन माहेश्वरी, मुन्नालाल मानावत, रामबिहारी वशिष्ठ, पूर्व पार्षद नरेश अग्रवाल, नवरत्न भातरा, मालीराम शर्मा, नवल किशोर रावत, सिंगर कमलेश सैनी, विनोद सैनी,कार्यकर्ता राहुल सैनी, अंकित सैनी, पुष्पेंद्र सैनी, रोशन सैनी, ताराचंद सैनी, सुनील कुमार शर्मा, बाबूलाल सैनी, जीतू सैनी, कुणाल सैनी सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे ।

संपादकीय

भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं, पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाय किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत में भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो। दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है, केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनऊ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत-प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं, तो भूकंप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं। भूकंप संभावित क्षेत्रों में जोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं जोन-5 में ज्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाका सीस्मिक जोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियां तेज रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के करीब 59 फीसदी भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है।जानकार सीस्मिक जोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज्यादा बताते हैं। गौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक जोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। नेशनल सेंटर फॉर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर खतरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज्यादातर शहर हिमालय जोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनिया के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज्यादा खतरा रहता है।

ध्यान और विवेक से मन साधा जा सकता है

मन की कोई एक जगह शरीर में पक्की नहीं है। मन तो फैला हुआ है। मन वह अदृश्य शक्ति है, जो चुपचाप से अपना काम करती चली जाती है। इस शक्ति के ऊपर हम सजगता और होश के द्वारा जरूर नियंत्रण पा सकते हैं।न में बहुत से विचार आते रहते हैं। वे विचार भी विचार बनने से पहले संस्कार रूप में, बीज रूप में मौजूद होते हैं। अच्छा-बुरा, शुभ-अशुभ, ज्ञान-अज्ञान सब तरह के संस्कार आपके मन के ऊपर अपनी छाप छोड़ते रहते हैं और ये संस्कार ही समय आने पर विचार के रूप में प्रकट होते हैं।अब आप जब भी ध्यान में बैठें, तो उस समय अपने विचारों को होशपूर्वक पकड़ना। धीरे-धीरे होश जगने लगेगा, थोड़े-थोड़े विचार पकड़ में आने लगेंगे। जैसे विचारों की धारा शुरू करने से पहले मन अनुमति मांग रहा हो कि विचार करूं या न करूं। जहां तुम सजग हुए, वहीं विचार ठहरेंगे। जहां विचार ठहरेंगे, तब ऐसा लगेगा कि मन तो कुछ है ही नहीं।एक ने पूछा कि 'मन को हटाए बिना आत्मज्योति की झलक नहीं पा सकते हैं। तो मन को बीच में से हटाएगा कौन? इस मन को मारेगा कौन? यह 'मैं' कौन है? इस शरीर में कौन-सा ऐसा तत्व है, जो मन को मार सकता है? उसका अनुभव कैसे होगा?'तुम पूछते हो, कौन मारेगा मन को? मैं कहती हूं, तुम्हारा ही होश मारेगा इस मन को। तुम्हारी ही सजगता इसको मारेगी।अब यह सवाल उठ सकता है कि मन कहां है? मन बायीं ओर है या दायीं ओर है? या फेफड़ों के बीच में है? नहीं! मन तो पूरे शरीर में और शरीर के बाहर भी व्याप्त है। लेकिन हर्ष, भय जैसी हर भावना के उठने पर तुम सीने में कुछ महसूस करते हो। डर लगा तो तुम पेट में कुछ महसूस करते हो। चिंता होने लगे तो मस्तिष्क में कुछ महसूस करते हो। अलग-अलग जगह, अलग-अलग भावनाओं को हम महसूस करते हैं। लेकिन मन की कोई एक जगह शरीर में पक्की नहीं है। मन तो फैला हुआ है। मन वह अदृश्य शक्ति है, जो चुपचाप से अपना काम करती चली जाती है। इस शक्ति के ऊपर हम सजगता और होश के द्वारा जरूर नियंत्रण पा सकते हैं। फिर कहती हूं। ढूंढ़िए! फिर से ढूंढ़िए! बार-बार ढूंढ़ते रहिए कि कहां है यह मन। खोजिए, बार-बार खोजिए कि मन है कहां!दूसरी बात इन्होंने पूछी कि, 'कौन हूं मैं? और परमात्मा से मेरा क्या संबंध है?' इसके बारे में शब्दों से तो मैं पता नहीं कितनी बार बोल चुकी हूं। पर शब्द काफी नहीं होते हैं, यह इस बात से साबित हो रहा है। इसलिए मैं अब और नहीं बताऊंगी कि तुम कौन हो। तुम खुद ही खोजो, कौन हो तुम? क्योंकि जो खोजने निकलेगा, असलियत में वही पाएगा। लेकिन जो खोजने से मुंह मोड़ेगा, वह कुछ भी नहीं पाएगा। तो खोजने से चूको मत, खोजो! ढूंढ़ो उस निराकार को, जो तुम्हारे ही भीतर मौजूद है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

❋ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

❋ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

❋ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

❋ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

❋ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

❋ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

❋ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

❋ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

❋ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

❋ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

बलाई विकास समिति द्वारा सर्व समाज के 70 चिकित्सकों का किया सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन) हाडोता में बलाई विकास समिति जयपुर, मुख्यालय-चौमूं की ओर से डॉक्टर्स-डे पर निजी कॉलेज में सर्व समाज के डॉक्टरों का सम्मान समारोह अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार ने की। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत आईजी जी.सी राय ने कहा कि मरीज को डॉक्टर्स के साथ जागरूकता रखनी चाहिए एवं समाज को सभी अपनी निष्ठा से कार्य करे।विशिष्ट अतिथि एसीपी सोनचंद लाडना ने कहां की डॉक्टर गरीब-अमीर का अंतर नहीं कर पता है। डॉक्टर केवल सिर्फ जाति व धर्म नहीं देखता है, वह केवल मरीज को बचाने का पूरा प्रयास करता है, तभी तो डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया गया है। समिति संरक्षक सेवानिवृत एडीएम के.आर. बुनकर ने कहा कि शिक्षा शेरनी का वह दूध है जो पियेगा वह दहाडेगा। उन्होनें इस समिति द्वारा राज्य में पहली बार सर्व समाज के डॉक्टरों के सम्मान को बहुत ही सराहनीय बताया। समिति के संरक्षक रामकिशोर राय, सेवानिवृत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के डीआईजी यादराम बुनकर, डॉ. ओमप्रकाश धमोड़, डॉ. रामनारायण यादव, सेवानिवृत सीआरपीएफ अधीक्षक के.एम बुनकर, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रदेश सचिव डॉ. एन.के अग्रवाल, डॉ. श्रवण बराला, डॉ. ओमप्रकाश धमोड, डॉ. सीताराम शर्मा (काछवाला), डॉ. मंगल यादव, सीआरपीएफ एसआई रवि कुमार वर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि सरकारी एवं निजी क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के 70 डॉक्टरों का सम्मान किया गया। जिसमें एलोपैथिक, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, फिजियोथैरेपी एवं पशु चिकित्सकों का माला, साफा, शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मान की व्यवस्था तहसीलदार गोपाल लाल भाटी द्वारा की गई। मंच संचालन व्याख्याता शंकर लाल मुहाणिया ने किया। इससे पूर्व डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही केक काटकर डॉक्टर्स-डे मनाया गया।

लायंस क्लब जयपुर भगवती डिवाइन की अध्यक्ष बनी राजकुमारी गुप्ता

जयपुर (संस्कार सृजन) सामाजिक सरोकार के कार्यों में लायंस क्लब का नाम अग्रणी पंक्ति में आता है। इसी कड़ी में लायंस क्लब जयपुर भगवती डिवाइन की वर्ष 2026-27 की की घोषणा की गई है । राजधानी जयपुर के होटल लॉर्ड्स इन में आयोजित मीटिंग के दौरान क्लब के चार्टर प्रेसिडेंट लायन विनोद गोयल के द्वारा कार्यकारिणी की घोषणा की गई । जिसमें अध्यक्ष लायन राजकुमारी गुप्ता, सचिन लायन ममता गुप्ता, कोषाध्यक्ष लायन पुष्पा अग्रवाल और लायन शकुंतला गोयल एडवाइजर की भूमिका निभाएंगी ।

वर्ष 2025-26 के अध्यक्ष लायन गिरीश अग्रवाल के नेतृत्व में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया । नव नियुक्त अध्यक्ष लायन राजकुमारी गुप्ता ने बताया कि सभी कार्यकारिणी और कार्यकर्ता मिलकर समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाएंगे ।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

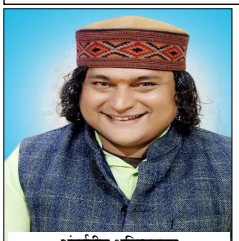

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष- कामकाज में रफ्तार बनी रहेगी। नौकरी करने वालों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कारोबार में पुराने काम से फायदा होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। साथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। पैसों के मामले में राहत रहेगी, लेकिन बेवजह खर्च करने से बचें।

वृषभ - ऑफिस में आपकी मेहनत लोगों की नजर में आएगी। कारोबार में धीरे-धीरे फायदा बढ़ेगा। घर के किसी जरूरी काम पर खर्च हो सकता है। रिश्तों में भरोसा बनाए रखें। सेहत ठीक रहेगी, लेकिन बाहर का खाना कम खाएं।

मिथुन - नए लोगों से मुलाकात होगी, जिसका फायदा आगे मिल सकता है। नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार में खुशी रहेगी। पैसों का लेन-देन सोच-समझकर करें।

कर्क - काम का दबाव रहेगा, लेकिन नतीजे भी अच्छे मिलेंगे। कारोबार में पुराने ग्राहक साथ देंगे। घर के लोगों से खुलकर बात करें। किसी बात को मन में दबाकर न रखें। सेहत का ध्यान रखें और पूरी नींद लें।

सिंह - समय आपके पक्ष में रह सकता है। नौकरी और कारोबार दोनों में अच्छे मौके मिलेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। खर्च बढ़ेंगे, लेकिन जरूरत के कामों पर ही पैसा लगेगा।

कन्या - किसी भी फैसले में जल्दबाजी न करें। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कारोबार ठीक चलेगा। परिवार के लोगों का साथ मिलेगा। छोटी-छोटी बातों पर नाराज होने से बचें। सेहत सामान्य रहेगी।

तुला - रुका हुआ काम आगे बढ़ सकता है। ऑफिस में आपकी बात सुनी जाएगी। कारोबार में फायदा होने के संकेत हैं। घर का माहौल अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में चल रही दूरी कम हो सकती है। पैसों की स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

वृश्चिक - इस समय धैर्य रखना जरूरी होगा। मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। खर्च पर कंट्रोल रखें। सेहत के मामले में लापरवाही न करें।

धनु - करियर में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। कारोबार में नई योजना बन सकती है। परिवार में किसी शुभ काम की चर्चा होगी। साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। यात्रा का योग बन सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर - नौकरी में आपकी मेहनत का फायदा मिलेगा। कारोबार में नई शुरुआत करने का मन बनेगा। घर के लोगों का साथ मिलेगा। किसी पुराने दोस्त से बात हो सकती है। पैसों के मामले में संतुलन बनाकर चलें।

कुंभ - यह समय नए मौके लेकर आएगा। नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है। कारोबार में लाभ मिलेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। किसी बात को लेकर बेवजह चिंता न करें। सेहत सामान्य रहेगी।

मीन - यह समय मिलाजुला रहेगा। काम समय पर पूरे होंगे। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। रुका हुआ पैसा मिलने की उम्मीद है। किसी धार्मिक काम में शामिल हो सकते हैं। सेहत को लेकर लापरवाही न करें और आराम के लिए भी समय निकालें।

(कहानी) मेहनत का दीपक

प्रभाती लाल सैनी

एक छोटे से गाँव में आरव नाम का एक लड़का रहता था। उसका परिवार आर्थिक रूप से बहुत साधारण था। उसके पिता खेतों में मजदूरी करते थे और माँ घरों में सिलाई का काम करती थीं। घर की परिस्थितियाँ कठिन थीं, लेकिन आरव के मन में बड़े सपने थे। वह पढ़-लिखकर अपने माता-पिता का जीवन बदलना चाहता था। गाँव के स्कूल में पढ़ाई की सुविधाएँ सीमित थीं। कई बार बिजली नहीं होती थी, इसलिए आरव रात को मिट्टी के दीपक की रोशनी में पढ़ता था। उसके दोस्त अक्सर उसका मज़ाक उड़ाते और कहते, इतनी मेहनत करके क्या होगा? तुम्हें भी आखिर मजदूरी ही करनी पड़ेगी। लेकिन आरव उनकी बातों से निराश नहीं होता था। उसे अपनी माँ की एक बात हमेशा याद रहती थी–मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती, उसका फल देर से सही, लेकिन अवश्य मिलता है।

आरव रोज़ सुबह जल्दी उठकर अपने पिता का हाथ बँटाता, फिर स्कूल जाता। स्कूल से लौटकर वह माँ की सिलाई में भी मदद करता और रात को कई घंटे पढ़ाई करता। समय के साथ उसकी मेहनत रंग लाने लगी। वह हर परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने लगा। उसके अध्यापक भी उसकी लगन से बहुत प्रभावित थे। उन्होंने उसे अतिरिक्त पुस्तकें दीं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

एक दिन जिले में छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित हुई। आरव ने पूरे मन से तैयारी की। परीक्षा के दिन वह आत्मविश्वास के साथ पहुँचा और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। कुछ सप्ताह बाद परिणाम घोषित हुआ। पूरे जिले में आरव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उसे उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति मिल गई। यह समाचार सुनकर उसके माता-पिता की आँखों में खुशी के आँसू आ गए। गाँव के लोग, जो कभी उसका मज़ाक उड़ाते थे, अब उसकी प्रशंसा करने लगे। छात्रवृत्ति मिलने के बाद आरव ने अपनी पढ़ाई और भी अधिक मेहनत से जारी रखी। वर्षों की लगन और संघर्ष के बाद उसने एक प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण की और एक सम्मानित अधिकारी बन गया।

जब वह अपने गाँव लौटा, तो उसने सबसे पहले अपने पुराने विद्यालय की सहायता की। उसने वहाँ एक पुस्तकालय बनवाया, नए कंप्यूटर दिलवाए और गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता की व्यवस्था की। विद्यालय के उद्घाटन समारोह में आरव ने बच्चों से कहा, ÷सफलता किसी की किस्मत से नहीं, बल्कि उसके परिश्रम, अनुशासन और आत्मविश्वास से तय होती है। यदि परिस्थितियाँ कठिन हों, तब भी अपने लक्ष्य को मत छोड़िए। हर दिन की छोटी-छोटी मेहनत एक दिन बड़ी सफलता का आधार बनती है। उसकी बातें सुनकर बच्चों के मन में नई आशा और उत्साह का संचार हुआ। उन्होंने भी यह संकल्प लिया कि वे कठिनाइयों से घबराएँगे नहीं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि जीवन में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम, धैर्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच सबसे बड़ी ताकत हैं। जो व्यक्ति अपने लक्ष्य पर अडिग रहता है, वह एक दिन अवश्य सफल होता है।

कारी बदळी

गड़गड़ गाजै कारी बदळी,
रिमझिम बरसै मेहड़ो।
धरती रै कण-कण हरखायो,
नाचै मन रो जीवड़ो॥
सूखी धोरां मुस्कावण लागी,
हरियो भयो आँगणवाड़ो।
आषाढ़ी रुत रो रूप निहारै,
झूमै जन-जन रो जीवड़ो॥
खेत जोत नै बैठ्यो किसान,
देखे अंबर री बाट।
कद बरसै मेहड़ो प्यारो,
पूरी होवै मन री चाह॥
पहली बूंद पड़तां ही जद,
महकै भींजी माटी।
हरियाळी री ओढ़ चुनरिया,
धरती लागै सुहाती॥
मोर पांख पसार नै नाचै,
दादुर गावै गीत।
पशु-पंखेरू झूमण लागै,
पावै बरखा री प्रीत॥
कागद री किश्ती तैरावै,
हंसै बालक-ग्वाल।
रिमझिम फुहारां संग-संग,
मचै खुशी रो धमाल॥
सूखा रूख-बूटा हरषै,
भर जावै मैदान।
बरखा ल्यावै संग अपने,
खुशियां रो वरदान॥
धरती सूं अंबर तलक,
गूंजै जीवन रा राग।
घण-घण गाजै कारी बदळी,
बरसै सुख रो फाग॥
नदियां-नाळा भरता जावै,
ताल-तलैया छावै।
मेहड़ो आवै जद धरती पर,
सूंणी दुनिया गवावै॥
किसानां रा मुख पर हँसी,
फसलां में विश्वास।
घण-घण गाजै कारी बदळी,
बरसै सुख री आस॥

महेन्द्र सिंह
कटारिया,नीमकाथाना,
राजस्थान

राजस्थानी फिल्म म्हारो राजस्थान की शूटिंग जोरों पर

जयपुर (संस्कार सृजन) राजस्थान की संस्कृति, परंपराओं और लोक जीवन पर आधारित राजस्थानी फिल्म म्हारो राजस्थान की शूटिंग जोरों पर है।

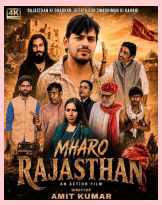

फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक अमित कुमार हैं, जिन्होंने राजस्थान की समृद्ध विरासत को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। राजस्थान की विभिन्न लोकेशन पर शूटिंग जारी है । फिल्म का एक हिस्सा मुंबई में भी शूट होगा ।

फिल्म में अमित कुमार, दिनेश सिंह, उग्रसेन तंवर, कृपा प्रसाद गौर, अंकित सक्सेना, सोहेल खान सूरी और मंसूरी खान महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, लोक कला और सामाजिक मूल्यों को आकर्षक ढंग से दर्शाया गया है। निर्माता-निर्देशक अमित कुमार ने बताया कि फिल्म का उद्देश्य राजस्थान की पहचान, संस्कृति और गौरव को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। पूरी टीम ने फिल्म को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है और दर्शकों को एक यादगार अनुभव देने का प्रयास किया है।

पर्यावरण मित्र डॉ. अशोक पाल सिंह ने राज्यमंत्री श्यामवीर सैनी से की शिष्टाचार भेंट

रुड़की (संस्कार सृजन) पर्यावरण मित्र डॉ. अशोक पाल सिंह ने राज्यमंत्री श्यामवीर सैनी से भेंट कर उन्हें पौधा भेंट किया और पर्यावरण संरक्षण मुहिम से जुड़ने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि जब जनप्रतिनिधि पेड़ लगाने की मुहिम में आगे आते हैं, तो समाज में सकारात्मक संदेश जाता है।पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित पर्यावरण मित्र डॉ. अशोक पाल सिंह ने आज राज्यमंत्री श्यामवीर सैनी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डॉ. सिंह ने मंत्री को पौधा भेंटकर पर्यावरण संरक्षण अभियान में सहभागिता की अपील की। डॉ. सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाए। जनप्रतिनिधियों के जुड़ने से यह मुहिम जन- आंदोलन का रूप लेगी। राज्यमंत्री सैनी ने डॉ. सिंह की इस पहल की सराहना की और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. अशोक पाल सिंह ने कहा कि ÷पौधा भेंट करना केवल औपचारिकता नहीं, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध हवा का वादा है। मैं राज्यमंत्री श्यामवीर सैनी का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने पर्यावरण की इस मुहिम को अपना समर्थन दिया।÷ उन्होंने कहा कि वह अब तक 60 हजार से अधिक पौधों का वितरण ओर रोपण कर चुके है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत EM जयपुर में मनाया गया वन महोत्सव

जयपुर (संस्कार सृजन) राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार चल रहे पेड़ मां के नाम राजस्थान वन महोत्सव 2026 के चौमूं क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन महोत्सव 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, जयपुर के परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में चौमूं उपखंड अधिकारी आशीष कुमार शर्मा, तहसीलदार डॉ. विजयपाल, गोविंदगढ़ के नायब तहसीलदार सुरेश कुमार देवत, गोविंदगढ़ विकास अधिकारी, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सहित यूनिवर्सिटी के

परियोजना निदेशक संदीप कुमार अग्रवाल और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी अधिकारियों और अतिथियों ने परिसर में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान का उद्देश्य हर नागरिक को पर्यावरण से जोड़ना और हरियाली बढ़ाना है। उन्होंने छात्रों और आमजन से अपील की कि वे कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें।

यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बताया कि परिसर में फलदार, छायादार और औषधीय प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण को बचाने और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।

विराज फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

जयपुर (संस्कार सृजन) अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में प्रदेश कार्यालय पर प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी के नेतृत्व में नशा मुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेंगे तथा विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेंगे।

प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने कहा कि नशा आज समाज और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के भविष्य के सामने एक गंभीर चुनौती बन चुका है। इसके दुष्परिणाम व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों पर पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि विराज फाउंडेशन 'नशा मुक्त भारत- स्वस्थ भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेशभर में जागरूकता अभियान, शपथ कार्यक्रम एवं सामाजिक गतिविधियों का निरंतर आयोजन करता रहेगा। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों एवं युवाओं से इस जनअभियान से जुड़कर नशा मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बनवारी लाल शर्मा, चंद्र प्रकाश शर्मा, सी.एम. सैनी, डॉ. एम.के. अग्रवाल, नरेंद्र सिंह सोलंकी, डॉ. सीताराम कुमावत, डॉ. अनिल शर्मा एवं सत्य प्रकाश पारीक सहित विराज फाउंडेशन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ अभिनेत्री उषा श्री को मिला सेवा रत्न सम्मान 2026

जयपुर (संस्कार सृजन) अखिल समाज सेवा दल द्वारा आयोजित सेवा रत्न सम्मान समारोह 2026 में वरिष्ठ अभिनेत्री और कत्थक नृत्य गुरु उषा श्री को सेवा रत्न सम्मान से नवाजा गया ।

उषा श्री को यह सम्मान महिला सशक्तिकरण, समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में प्रदान किया गया ।

राष्ट्रीय महासचिव विनोद कुमार नायक ने बताया कि सेवा रत्न सम्मान समारोह 2026 आंगन होटल जयपुर में आयोजित किया गया।

सिंगोदिया परिवार ने निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर किया रोज मिल्क का वितरण

जयपुर (संस्कार सृजन) निर्जला एकादशी पर चौमूं में आस्था, सेवा और दान-पुण्य का अनूठा संगम देखने को मिला। भीषण गर्मी के बीच जगह-जगह शर्बत, मिल्क रोज, ठंड़ाई, शिकंजी, कैरी का पानी और ठंडे जल की प्याऊ लगाई गई। मंदिरों में भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। वहीं निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर सिंगोदिया परिवार की तरफ से सामोद रोड बाईपास के पास मिल्क रोज शरबत का वितरण किया गया। कार्यक्रम व्यापार मंडल उपाध्यक्ष व समाजसेवी अशोक सिंगोदिया के नेतृत्व में हुआ ।

निर्जला एकादशी पर भक्ति और आस्था का संगम देखने को मिला।व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी ने कहा कि ऐसे कार्यों से धार्मिक आस्था को बढ़ावा मिलता है और आपसी सदभाव बना रहता है ।

इस सेवा के मौके पर जनरल फैंसी फुटवियर व्यापार मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, माँ वैष्णो देवी मंदिर के महंत कैलाश भगत, मोरीजा पंचायत के वार्ड 1 के पंच गोविंद देवी, राधेश्याम सिंगोदिया, अर्जुन लाल सिंगोदिया, सुशील सिंगोदिया, रमेश सिंगोदिया, समाज सेवी व व्यापार मंडल उपाध्यक्ष अशोक सिंगोदिया, विनोद सिंगोदिया, कैलाश सिंगोदिया, बाबूलाल सिंगोदिया, सतीश सिंगोदिया, प्रमोद सिंगोदिया, राजकुमार सिंगोदिया, मोहित, सोहित आदि समाज सेवी और सिंगोदिया परिवार मौजूद रहा।

पंडित रविन्द्राचार्य ने किया पुलिस थाना खोरा बिसल का वास्तु परीक्षण

जयपुर (संस्कार सृजन) तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्राचार्य ने पुलिस थाना खोरा बिसल का वास्तु परीक्षण किया ।

इस दौरान पंडित रविंद्राचार्य ने थाना अधिकारी सुरेंद्र सिंह को बिना तोड़फोड़ के वास्तु परीक्षण करके उपाय बताए ।

इसके बाद नींदड़ बेनाड भैरुजी के दर्शन कर सभी के लिए मंगल कामना की।

इस अवसर पर ख्याली हेड कांस्टेबल, सुरेश ,विशाल चौधरी, सायर सिंह, रमेश सिंह, प्रकाश सोनी, रविंदर आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

महर्षि व्यास सेवा समिति ने मनाया योग दिवस

जयपुर (संस्कार सृजन) जयपुर की महर्षि व्यास सेवा समिति के द्वारा योग दिवस के उपलक्ष्य में 21जून को योग दिवस का आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष मीना व्यास द्वारा योग का जीवन में उपयोग के बारे में बताया गया।

इस दौरान शिविर में महिलाओं और बच्चे गर्विक एवं इवान ने योग के विभिन्न आसन और प्राणायाम की मुद्राएँ कर प्रतिदिन योग करने का संकल्प लिया ।

ढोढसर विद्यालय में मां के नाम एक वृक्ष अभियान के तहत किया 11 पौधों का रोपण

जयपुर (संस्कार सृजन) ढोढसर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मां के नाम एक वृक्ष अभियान के तहत पुष्कर सिंह सामोता ने विद्यालय को 11 पौधे भेंट किए। संस्था प्रधान राजेश कुमार अंकुर के नेतृत्व में विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यालय का स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी